Modern Public School
Holiday Home work
Class – XII
Subject- Hindi

Page No. 97
Date: / /

प्र०:-1] निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम-से-कम मत बोओ!
है अगम चेतना की घाटी, कमज़ोर बड़ा मानव का मन
ममता की शीतल छाया में होता कटुता का स्वयं शमन।
ज्वालाएँ जब घुल जाती हैं, खुल-खुल जाते हैं मुँदे नयन
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन।
संकट में यदि मुसका न सको, भय से कातर हो मत रोओ
यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम-से-कम मत बोओ।

क] फूल बोने और काँटे बोने का प्रतीकार्थ क्या है?
ख] मन किन स्थितियों में अशांत होता है और कैसी
ग] संकट आ पड़ने पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए और क्यों?
घ] मन में कटुता कैसे आती है और वह कैसे दूर हो जाती है?

प्र०:-2] धन अर्जन की अंधी दौड़ और उपेक्षित स्वास्थ्य' विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर निबंध लिखिए।

प्र०:-3] अपराधी तत्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संपादक, नवभारत टाइम्स, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली को पत्र लिखिए।

प्र०:-4) "युवा पीढ़ी में घटते संस्कार" विषय पर फीचर लिखिए।

प्र०:-5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए -

(i) हिंदी का पहला समाचार पत्र कब, कहाँ से और किसके द्वारा प्रकाशित किया गया?

(ii) समाचारों को संकलित करने वाले को किस नाम से पुकारा जाता है?

(iii) भारत की कौन सी नेट साइट मुफ्तान करके देखी जा सकती है?

(iv) हिंदी वेबजगत में कौन-कौन सी साहित्यिक पत्रिकाएँ चल रही हैं?

(v) डेस्क तथा बीट रिपोर्टर से क्या तात्पर्य है?

प्र०:-6) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से अलंकार छाँटकर लिखिए -

1) 'और पाता है प्यार का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है।

2) यदि हम किसी तरह युधिष्ठिर जैसा संकल्प पा जाते हैं।

3) जैसे शमी वृक्ष के तने से टिककर, न पहचानने में पहचानते हुए विदुर ने धर्मराज को देखा।

4) बड़े-बड़े पियराए पत्ते
कोई दह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो।

5) पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े।
नीरज नयन नेह जल बाढ़े।